सत्यमेव जयते
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता समाचार

खंड 4 | अंक 28

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachhbharatgrameen

केंद्रीय मंत्री की कलम से

अप्रैल माह में, हमें इस बात का स्मरण कराया गया है कि हमारा कल्याण तथा हमारा पर्यावरण, हमारा स्वास्थ्य और हमारे रोजमर्रा के विकल्प कैसे एक-दूसरे के साथ आपस में जुड़े हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य दिवस, पोषण पखवाड़ा और पृथ्वी दिवस जैसे आयोजन मिलकर इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि स्वच्छता, जल और पोषण मात्र प्रयास नहीं हैं, अपितु ये एक स्वस्थ, न्यायसंगत और सुदृढ़ राष्ट्र की साझा नींव का निर्माण करते हैं। नियमित रूप से हाथ धोने और सुरक्षित स्वच्छता सुविधाओं के उपयोग जैसे सरल दैनिक कार्य रोकथाम और सुरक्षा के साधारण परंतु शक्तिशाली कृत्यों के रूप में काम करते हैं। इस परिवर्तन का आधारशिला महिलाएं हैं, जिनका नेतृत्व हर घर और हर गांव में प्रगति को आगे बढ़ा रहा है।

श्री सी. आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

केंद्रीय राज्य मंत्री की कलम से

अप्रैल माह में, जब हम पंचायती राज दिवस मना रहे हैं, हम यह स्मरण करते हैं कि स्वच्छता और जल कार्यों में वास्तविक प्रगति का आधार स्थानीय नेतृत्व होना चाहिए। हमारी पंचायतें, सरपंच, फ्रंटलाइन वर्कर्स और समुदाय के लोगों विशेष रूप से महिलाएं स्वच्छ भारत मिशन, ग्रामीण और जल जीवन मिशन के तहत हमारी हर सफलता का मूलाधार हैं। चाहे वह हाथों की स्वच्छता को बढ़ावा देना हो, या शौचालय का उपयोग सुनिश्चित करना हो, परिसंपत्ति का प्रबंधन करना हो या जल स्रोतों को बनाए रखना हो, इन सब का समाधान केवल उन लोगों के पास है, जो इन सबसे प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। सामूहिक जिम्मेदारी की भावना ही हमें सच्चे स्वच्छ, सुजल और विकसित भारत की ओर ले जाएगी।

श्री वी. सोमण्णा
केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

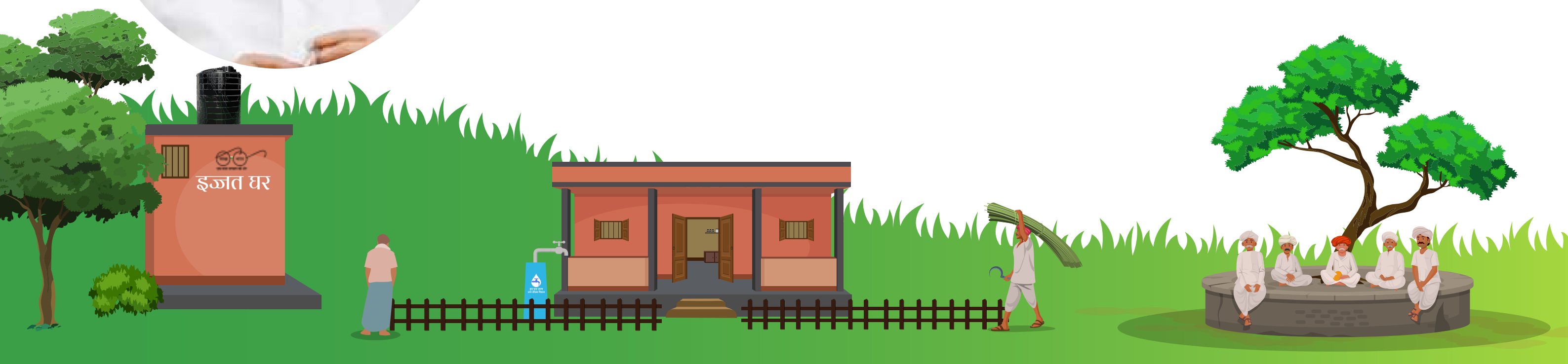

सचिव की कलम से

सामुदायिक स्वामित्व वह वास्तविक उपलब्धि है जो जल और स्वच्छता में हमारे प्रयासों की स्थिरता को परिभाषित करती है। अप्रैल, इसके कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्यवेक्षणों के साथ, हमें स्मरण कराता है कि यह यात्रा बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ समाप्त नहीं होती है। यह सार्थक और स्थायी परिवर्तन लाने के लिए लोगों के नेतृत्व वाले जन आंदोलन को आगे विकसित करने के बारे में है, जिसका मूल आधार पंचायतें हैं। जल और स्वच्छता केवल सेवाएं नहीं हैं, अपितु ये स्वास्थ्य, गरिमा और सशक्तिकरण की नींव हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, भावी कार्रवाई में संचालन, रखरखाव तथा राज्य जल और स्वच्छता मिशनों (SWSMs) को सुदृढ़ बनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह हमारे द्वारा हासिल किए गए लाभों को बनाए रखने तथा स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध भारत के निर्माण हेतु आवश्यक है।

श्री अशोक कुमार कलुआराम मीना
सचिव, DDWS, जल शक्ति मंत्रालय

अपर सचिव और **मिशन निदेशक** के डेस्क से

जब हम ग्रामीण जल और स्वच्छता में अपनी यात्रा पर विचार करते हैं, तो यह स्पष्ट है कि भावी कार्रवाई में विकास परिणामों के मुख्य प्रवर्तक के रूप में WASH की आधारभूत स्थिति बनी रहनी चाहिए। SBM-G और JJM के माध्यम से किए जा रहे कार्य केवल बुनियादी ढांचे के निर्माण के बारे में नहीं हैं, अपितु ये जीवन में परिवर्तन लाने, गरिमा बहाल करने और नए अवसर सृजित करने के बारे में है। घरों से लेकर खेतों तक, सुरक्षित स्वच्छता और स्वच्छ जल तक पहुंच लोगों के जीने, सीखने और काम करने के तरीके को नया आकार देती है। जैसे-जैसे हम मिशन में आगे बढ़ रहे हैं, हमारे प्रयासों की जड़ें जमीनी वास्तविकताओं में निहित होनी चाहिए, तालमेल के माध्यम से मजबूत होनी चाहिए और स्थानीय संस्थाओं के नेतृत्व द्वारा संचालित होनी चाहिए। केवल तभी WASH एक सच्चे जन आंदोलन के रूप में विकसित हो सकता है।

श्री कमल किशोर सोन
अपर सचिव और मिशन निदेशक, जेजेएम्, DDWS जल शक्ति मंत्रालय

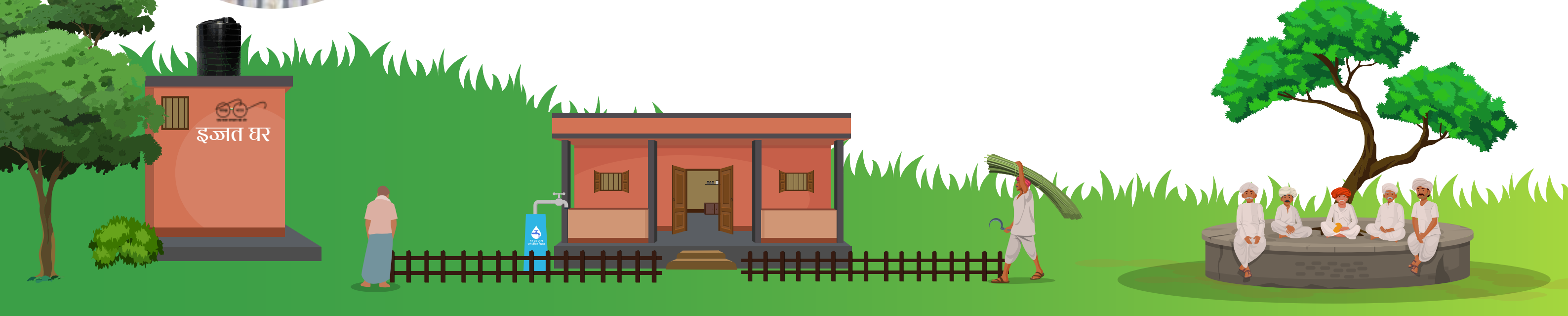

कार्यक्रम की उपलब्धियां

30 अप्रैल 2025 की स्थिति अनुसार

ODF PLUS

- भारत केआबादी वाले गांवों में से **45.6 लाख** से अधिक **(77% से अधिक)** गांवों ने स्वयं को ODF Plus मॉडल घोषित किया है
- **5.10 लाख** से अधिक गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है
- **5.26 लाख** से अधिक गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है
- **1200** से अधिक पंजीकृ त बायोगैस संयंत्र
- **890** से अधिक कार्यात्मिक बायोगैस संयंत्र
- **83** बायोगैस संयंत्र में कार्य पूर्ण
- **1925** से अधिक ग्रामीण प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयां स्थापित की गईं, जो **4,850** से अधिक प्रखण्डों को कवर करती हैं
- **6.18 लाख** से अधिक वाहन जो घर-घर कचरे का संग्रहण और इसकी ढुलाई करते हैं

पखवाड़ा गतिविधियां: अप्रैल 2025

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
सत्यमेव जयते

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

- अपर निदेशक के कार्यालय में सफाई कर्मचारी को पोस्टर और बेस्ट वेस्ट टू वेल्थ प्रतियोगिता के लिए प्रमाण पत्र/ इसके बाद वर्मी कम्पोस्टिंग और ऑर्गेनिक कंपोस्टिंग के बारे में नमूना-प्रदर्शन

- वी.आई.पी. गेस्ट हाउस एरिया, केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली (हिमाचल प्रदेश) की सफाई

- 15 अप्रैल 2025 को APHO कोलकाता में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण के बाद बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर सत्र आयोजित किया गया

- AIIMS पटना के नेतृत्व में 13 अप्रैल को फुलवारी शरीफ नगर निगम और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों की सहायता से एक प्रमुख स्वच्छता और सौंदर्यीकरण अभियान चलाया गया।

- PHO मुंबई में कार्यालय परिसर के पास फेरीवालों और दुकानदारों के लिए स्वच्छता के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- CIP की OPD में 40 रोगियों और उनकी देखभाल करने वालों के साथ पर्यावरण और कल्याण संबंधी एक संवेदीकरण वार्ता आयोजित की गई।

- माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सहयोग से अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान 12.05.2025 को सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया।

- RHTC टीम की सक्रिय भागीदारी और PHC Ela के कर्मचारियों की सहायता से ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (RHTC) परिसर में और उसके आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया।

- स्वच्छता पखवाड़े के एक भाग के रूप में CGHS मुख्यालय की दीवार पर बैनर और लोगो दर्शाया गया। CGHS मुख्यालय के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा सेल्फी ली गई।

- सामुदायिक जागरूकता का प्रसार करने के लिए APHO कोलकाता द्वारा NSCBI हवाई अड्डा परिसर के आसपास स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया।

Closing ceremony 3

VPCI: Visit by Sh. Madhukar Kumar Bhagat, JS-5

Sh. Nikhil Gajraj, JSs Visit to VPCI-3

Sh. Nikhil Gajraj, JSs Visit to VPCI-1

संस्कृति मंत्रालय

- स्वच्छता शपथ ली गई और कार्यालय परिसर में तथा उसके आसपास श्रमदान किया गया।

Swachhta Pledge

Shramdaan

संसदीय कार्य मंत्रालय

- कर्मचारियों द्वारा अपने संबंधित अनुभागों/कमरों में सफाई अभियान चलाया गया
- अनुभागों द्वारा भौतिक फाइलों की समीक्षा/छंटाई की गई
- सचिव ने मंत्रालय के सभी कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई

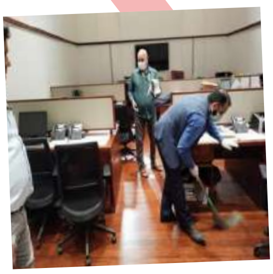

Parliament House

Parliament

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी - राष्ट्रीय जल और स्वच्छता संस्थान (SPM-NIWAS)

SPM-NIWAS, कोलकाता को प्रशिक्षण प्रदान करने और वॉश गतिविधियों से संबंधित क्षमता निर्माण को सुदृढ़ बनाने के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) ने पहली तिमाही के लिए प्रशिक्षण कैलेंडर को मंजूरी दे दी है, जिसमें SBM-G के विभिन्न घटकों में 14 भौतिक उपस्थिति वाले और 10 ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र शामिल हैं।

अप्रैल के महीने में, तीन ऑनलाइन और दो भौतिक उपस्थिति वाले प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिनमें कुल 192 व्यक्तियों ने भागीदारी की।

मई के महीने के लिए, छह भौतिक उपस्थिति वाले और पांच ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र निर्धारित हैं।

*प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण करने के लिए- **यहां क्लिक करें***

अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें:

चैताली मंडल - chaitali2377@gmail.com
+91 9378351386

SBM अकादमी

स्वच्छ भारत अकादमी (SBM अकादमी) ODF Plus गतिविधियों पर केंद्रित एक ऑनलाइन शिक्षण मंच है। यह मुख्य रूप से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिनमें PRIs, BDOs और स्वच्छाग्रहियों शामिल हैं। प्रारंभ में एक टोल-फ्री नंबर (1800 1800 404) के माध्यम से इसका उपयोग किया जा सकता है, जहाँ उपयोगकर्ता ऑडियो पाठ सुन सकते थे, प्लेटफ़ॉर्म को अब अपग्रेड कर दिया गया है। उपयोगकर्ताओं को जोड़ने और इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए, SBM अकादमी का एक व्हाट्सएप संस्करण 30 जनवरी, 2025 को शुरू किया गया।

कम नामांकन वाले राज्यों को प्रोत्साहित करने के लिए 4 अप्रैल और 24 अप्रैल को राज्य तथा जिला टीमों के लिए दो ऑनलाइन ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किए गए थे।

अप्रैल में, 11,261 प्रतिभागियों ने SBM अकादमी के अपडेटेड व्हाट्सएप संस्करण में दाखिला लिया, जिनमें से 7,635 ने पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

THE HINDU

Health and sanitation as the pillars of a healthy India

On this World Health Day (April 7), as nations reflect on the foundations of human well-being, India stands tall with a transformative lesson: health and sanitation are not separate pursuits, but are two sides of a coin. Under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, India has undertaken a sanitation and water revolution that has not only changed the way we live but also how we thrive.

Rural missions that made a difference

The story of modern India cannot be told without acknowledging the contribution of the Swachh Bharat Mission (SBM) Grameen and the Jal Jeevan Mission (JJM). These programmes are not just about toilets and tap water alone. They represent a shift in the soul of the nation. These rural missions symbolise dignity, equity, and, above all, health.

When the Prime Minister launched the SBM from the ramparts of the Red Fort in 2014, he ignited a movement that has touched every Indian household, making it a people's movement – a Jan Andolan that was anchored in behavioural change and inter-generational equity. By 2019, India had declared itself Open Defecation Free (ODF) and taken significant steps towards achieving SDG 6.2 (it focuses on achieving access to adequate and equitable sanitation and hygiene for all by 2030) and also ending open defecation, 11 years ahead of time.

The SBM has been a powerful public health intervention. A World Health Organization (WHO) report estimated from 2014 to 2019, through the sanitation mission, over three lakh diarrhoeal deaths were averted. The Gates Foundation reported in 2017 that there were 58% higher cases of wasting among children in non ODF areas. A UNICEF study (2017) found that 93% of women felt safer after getting a toilet at home and ODF families saved ₹50,000 annually in health-care costs, ensuring higher savings. The SBM has improved environmental outcomes. Groundwater contamination in ODF villages is 12.7 times less likely, ensuring long-term health resilience in rural communities. A (2024) Nature study estimated that 60,000 to 70,000 child deaths are prevented every year due to improved sanitation access. These outcomes are not incidental, they are the result of sustained political commitment, inter-ministerial coordination, and community ownership.

Swati Meena Naik

is Joint Secretary, National Jal Jeevan Mission (NJJM)

In 2019, the Jal Jeevan Mission was launched to ensure every rural household receives clean drinking water through a tap connection. This is more than infrastructure. It is an investment in human potential with far-reaching socio-economic impact. Research by Nobel Laureate Dr. Michael Kremer has shown that nearly 30% infant deaths can be reduced if safe water is made available to families for drinking and 1.36 lakh child deaths (under five years) can be prevented with universal tap coverage. WHO estimates suggest that the JJM could avert four lakh diarrhoeal deaths with safe drinking water supply at home. And, 5.5 crore hours are saved every day, mostly by women, who had earlier spent time fetching water. State Bank of India research finds that the availability of water within premises led to increased participation by women in agriculture and allied activities.

The Sujal and Swachh Gaon campaign, launched to integrate water, sanitation, and hygiene at the village level, has further galvanised communities. Thousands of villages have already been declared Swachh Sujal, which is an important marker of holistic public health transformation. Improved water and sanitation systems are also leading to reduced out-of-pocket expenditure for rural households, reinforcing the preventive health-care model.

On the ground

Sanitation and water are the first line of defence in public health. They are the invisible shield that protects communities from disease, women from indignity, and children from lost opportunity. A healthy nation is a productive nation. A clean nation is a resilient one.

Today, more than 80% of India's rural households have tap water connections. Over 96% villages have been declared as ODF Plus, more than 5.07 lakh villages have solid waste management systems, and 5.23 lakh villages have liquid waste management systems in place.

> The story of modern India is connected to every link in the sanitation chain that results in a healthier and safer society

Women are not just beneficiaries, they are also water testers, sanitation entrepreneurs, and local leaders. Over 2.48 million women have been trained to test water quality, and women-led Self-Help Groups are managing sanitation assets, recycling centres, and even sanitary napkin production. This is the vision of a Viksit Bharat where no child misses school because of a lack of water, no woman walks miles with a pot on her head, and no family loses a loved one to preventable illness.

The journey to health is the journey to dignity. A toilet brings privacy. Clean water brings opportunity. Waste management protects the environment. Each link in the sanitation chain connects directly to a healthier, safer society. The lessons we have learnt highlight the importance of inter-ministerial collaboration which is non-negotiable.

It is about convergence

Since, health is not the concern of one Ministry alone, it is the outcome of converged action across water, sanitation, nutrition, education, and rural development. We must recognise that India's model is not insular, it is global. Our innovations, community-led models, and use of technology whether through real-time dashboards, Galvanizing Organic Bio-Agro Resources Dhan (or GOBARdhan) biogas plants, or plastic waste management units are blueprints for the world, especially the Global South. Lastly, we must continue to work through a mutual understanding that every rupee invested in Water, Sanitation and Hygiene (WASH) yields manifold returns in health, productivity, gender equity, and environmental sustainability.

India is committed towards progressing forward on the United Nations Sustainable Development Goals and this World Health Day, we need to acknowledge and remember that good health begins not in hospitals, but in homes with access to clean water, safe sanitation, and a shared resolve. As we move forward, India remains committed to sharing its journey, collaborating globally, and co-creating a cleaner, healthier, and more resilient world.

DDWS की पोषण पखवाड़ा 2025 में भागीदारी

महिला और बाल विकास मंत्रालय (MWCD) के नेतृत्व में वाली राष्ट्रव्यापी पहल पोषण पखवाड़ा में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) ने 8 से 23 अप्रैल, 2025 तक सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस वर्ष, WCD के पोषण पखवाड़ा में चार प्रमुख विषयों पर जोर दिया गया: जीवन के पहले 1000 दिनों पर ध्यान केंद्रित करना, पोषण ट्रैकर के लाभार्थी/नागरिक मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाना, CMAM के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन और बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली।

DDWS ने "शुद्ध जल और स्वच्छता से स्वस्थ बचपन" विषय के तहत इस अभियान में योगदान किया तथा बाल पोषण और स्वास्थ्य में सुधार के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया।

इन दो सप्ताहों के दौरान राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने पाक्षिक अभियान के अंतर्गत स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल और उचित स्वच्छता व्यवहारों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्यों के ICDS विभागों के साथ सहयोग किया। बच्चे के जीवन के पहले 1000 दिनों के महत्व के साथ-साथ, अभियान में समुदायों को यह बताया गया कि कैसे सुरक्षित जल और स्वच्छता पोषण, विकास तथा समग्र कल्याण को सीधे प्रभावित करते हैं।

DDWS प्रस्तावित गतिविधियाँ:

1. शुद्धता और स्वच्छता अभियान सुनिश्चित करें
2. आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए सत्र
3. स्तनपान कराने वाली माताओं हेतु जागरूकता अभियान
4. स्मार्ट पोषण आंगनवाड़ी प्रमाणन
5. आंगनबाड़ी केंद्रों की सामुदायिक सफाई और सौंदर्यीकरण
6. जागरूकता रैलियां और सफाई कार्यक्रम

पोषण, स्वच्छता और सुरक्षित जल व्यवहारों को मिलाकर, DDWS के पोषण पखवाड़ा अभियान का उद्देश्य न केवल आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाना है, बल्कि समुदायों में स्थायी परिवर्तन भी लाना है।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

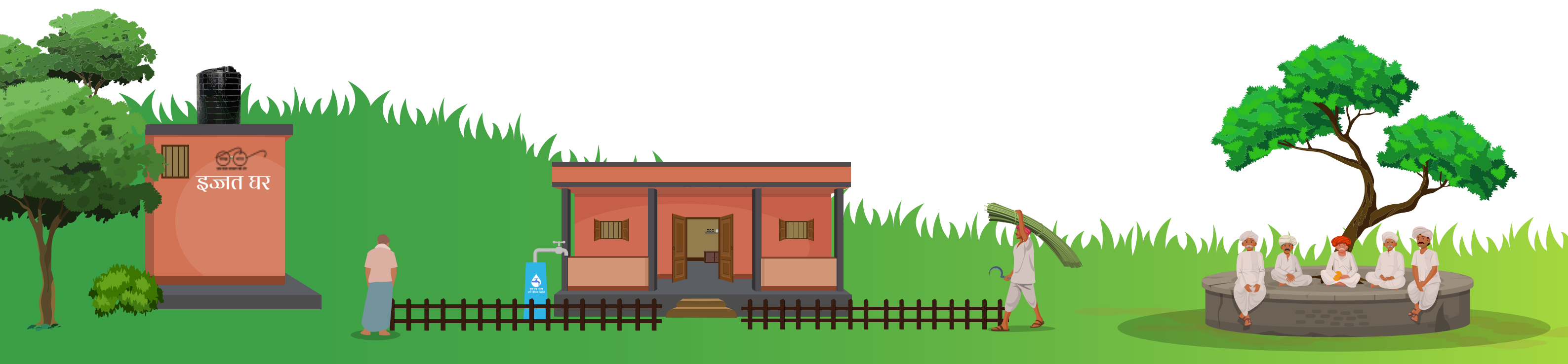

उत्तराखंड के सिरासू गांव ने स्वच्छता के लिए पर्यटन का लाभ उठाया

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर प्रखण्ड में गंगा के पवित्र तट पर हिमालय की तलहटी में बसे, सिरासू गांव ने एक अभिनव राजस्व प्रणाली के माध्यम से स्वयं को स्थायी स्वच्छता के एक मॉडल में बदल दिया है। वर्ष 2014 से पहले, गांव को स्वच्छता संबंधी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें कई परिवारों के पास शौचालय की कमी थी और कचरा प्रबंधन प्रणाली अपर्याप्त थी। हालांकि, कोटा ग्राम पंचायत ने गंगा के किनारे अपने शोभायमान स्थान और हरे-भरे जंगलों से घिरे होने से अपनी प्राकृतिक सुदरता के कारण फोटोग्राफी और पर्यटन स्थल के रूप में गांव की बढ़ती लोकप्रियता से पैसा जुटाने और SBMG की मदद से धीरे-धीरे चीजों को बदल दिया है। नतीजतन, सिरासू अब एक सत्यापित ODF Plus मॉडल गांव है।

जैसा कि सिरासू गांव ने राज्य और राज्य के बाहर दोनों पर्यटकों के बीच लोकप्रियता हासिल करनी शुरू कर दी है, ग्राम पंचायत ने प्री-वेडिंग फोटो शूट के लिए 1,000 रुपये चार्ज करके 2018 में एक अद्वितीय राजस्व मॉडल लागू किया। इसने इन शूटिंग के लिए आवश्यक टेंट, रोशनी, ध्वनि उपकरण और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीद करके और उन्हें किराए पर देकर अतिरिक्त आय भी उत्पन्न की। इस सरल लेकिन प्रभावी कार्यनीति ने गांव को केवल सरकारी संसाधनों पर भरोसा किए बिना अपनी स्वच्छता और स्वच्छता के बुनियादी ढांचे को बनाए रखने में सहायता दी है। इसके कार्यान्वयन के बाद से, इस पहल से, अन्य राजस्व स्रोतों के साथ, लगभग 50 लाख रुपये जुटाए गए हैं। वैवाहिक सीजन के दौरान, गांव में 15-20 प्री-वेडिंग फोटो शूट होते हैं। एक पसंदीदा फोटोग्राफी गंतव्य स्थल के रूप में सिरासू गांव का आकर्षण बढ़ा क्योंकि इसने सामुदायिक प्रयास से सफलतापूर्वक एक उल्लेखनीय परिवर्तन किया है।

कूड़े का निपटान करने के लिए ग्रामीण स्वच्छता मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप, गांव ने चार प्लास्टिक कचरा संग्रह केंद्र भी स्थापित किए हैं, जहां नियमित रूप से अनुपयोगी प्लास्टिक एकत्र किया जाता है और गंगा में और उसके आस-पास प्रदूषण को रोकने के लिए रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाता है। स्वच्छता के अलावा, राजस्व का उपयोग पर्यटक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भी किया गया है, जिसमें बेंच, ट्रेकिंग मार्ग, एक ऑल-टेरेन वाहन (ATV) की खरीद और एक पार्क शामिल है, जो सिरासु के आकर्षक को और अधिक बढ़ाता है।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

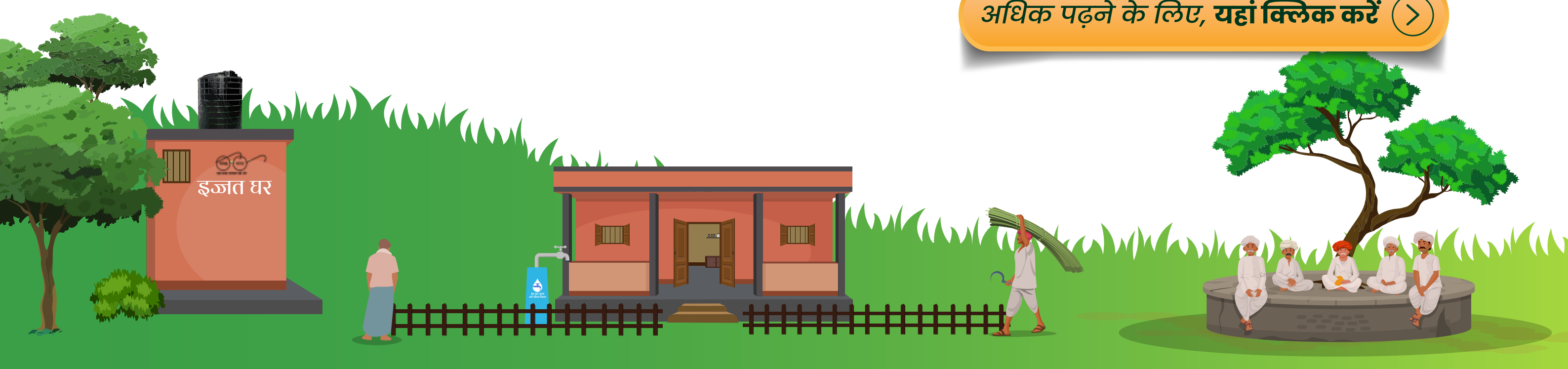

नागालैंड के घोकिटो गांव के दैनिक स्वच्छता चैंपियन

नागालैंड के न्यूलैंड जिले के कुहुबोतो शहर से महज एक किलोमीटर की दूरी पर बसा घोकिटो गांव नक्शे पर देखना आसान है, लेकिन वहां जो हो रहा है वह सामान्य नहीं है। सिर्फ 86 घरों और 500 से कुछ अधिक आबादी वाले इस छोटे से गांव ने चुपचाप स्वयं को ODF Plus मॉडल गांव में बदल दिया है, जिसका नेतृत्व बाहरी विशेषज्ञ नहीं, बल्कि खुद उन लोगों ने किया है जिन्होंने मिलकर चीजों को बेहतर बनाने का फैसला किया है।

घोकिटो गांव सबसे अलग है क्योंकि यह कचरा प्रबंधन, फसल उत्पादन और गांव को उन सभी प्रणालियों के माध्यम से साफ रखने के लिए जो व्यावहारिक, कम लागत वाली और स्थानीय ज्ञान पर निर्मित हैं; परंपरा, नवाचार और सामुदायिक भावना को एक साथ लाता है। घोकिटो के कचरा प्रबंधन का सार एक सरल लेकिन प्रभावशाली अभ्यास, बैकयार्ड फार्मिंग में निहित है।

Figure: Circular economy model of backyard farming practice

Children collecting plastic waste at Ghokito

The cleanliness enthusiasts at Ghokito CCE ministry

यहां कचरा बेकार नहीं जाता

यह रसोई में सब्जी के छिलके, बचे हुए और खाद्य स्क्रैप के साथ शुरू होता है जो अलग रखे जाते हैं। हालांकि, बाहर फेंकने के बजाय, यह "अपशिष्ट" एक संसाधन बन जाता है। इसे सूअरों के लिए चारा बनाने के लिए गेहूं के चोकर और हरी पत्तेदार सब्जियों के साथ पकाया जाता है, जिसे गांव का लगभग हर घर पालता है। और ठीक उसी तरह, रसोई के स्क्रैप पोषण और खाद्य सुरक्षा में बदल जाते हैं।

संडे स्कूल के प्लास्टिक बीनने

घोकिटो गांव में, गांव के संडे स्कूल के बच्चे पर्यावरणीय स्थिरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हर हफ्ते, गाँव के चर्चों से संडे स्कूल में भाग लेने वाले बच्चे जिम्मेदारी के साथ घरों, गलियों तथा कचरे से छुटकारा पाने वाले व्यक्तियों के यहां से प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करते हैं। वे इसे अलग करते हैं और इसे प्रत्येक महीने के अंत में रीसाइक्लिंग नेटवर्क को बेचते हैं। वे जो पैसा कमाते हैं, यह उनकी सेवा संबंधी गतिविधियों में वापस चला जाता है।

स्वच्छता की संस्कृति

घोकिटो में स्वच्छता का मौका नहीं छोड़ा गया है और यह एक बार की चीज या गतिविधि नहीं है। यह एक ऐसी संस्कृति है जिसका नेतृत्व जल और स्वच्छता समिति द्वारा किया जाता है जो यह सुनिश्चित करती है कि मासिक निरीक्षण हो। टीम यह सुनिश्चित करने के लिए हर घर की जांच करती है कि शौचालय साफ और कार्यशील हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए प्रवासी श्रमिकों की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, कि कोई भी वंचित न रहे।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

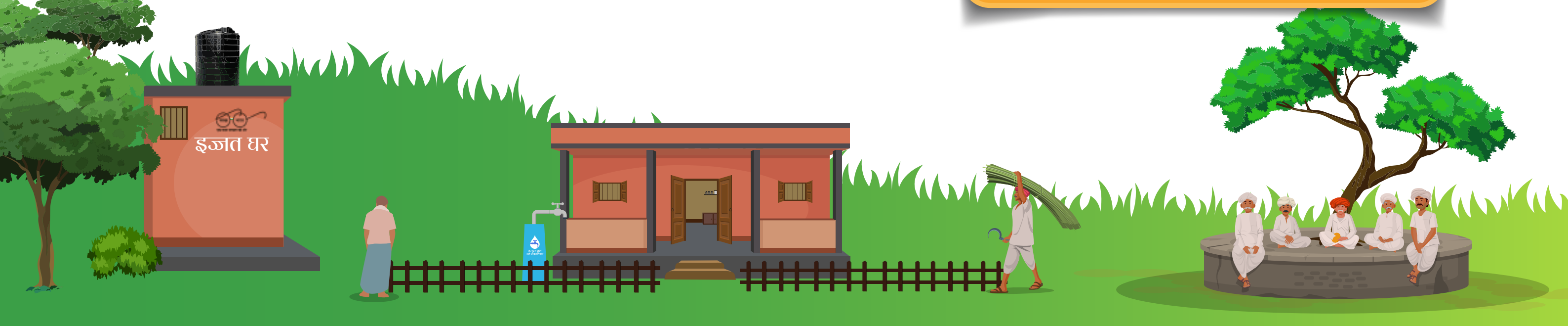

स्वच्छता में गरिमा को बढ़ाना: DDWS ने हाथ से मैला ढोने के खिलाफ अभियान चलाया

DDWS ने SBM-G चरण II के तहत स्वच्छता कर्मचारियों के अधिकारों, सुरक्षा और गरिमा की रक्षा के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाया है। ऑनलाइन अभियान का उद्देश्य सुरक्षित स्वच्छता प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और SBM-G दिशानिर्देशों को दोहराना था, जो निम्न पर जोर देते हैं

- नए घरों में ट्विन पिट शौचालयों के निर्माण को बढ़ावा देना।
- मौजूदा सिंगल पिट टॉलेट्स को ट्विन पिट सिस्टम में रेट्रोफिट करना।
- सोख्ता गड्ढों के साथ मौजूदा सेप्टिक टैंक रेट्रोफिट करना।
- सुरक्षित मलीय कचरे के निपटान के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- 2 ग्राम पंचायतों को यंत्रीकृत मलीय कचरा प्रबंधन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

20 से 31 मार्च, 2025 तक, DDWS ने हाथ से मैला ढ़ोने के खिलाफ और मशीनीकृत डिसलजिंग के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक केंद्रित डिजिटल अभियान चलाया। अभियान ने 2013 अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश डाला, सुरक्षित स्वच्छता प्रौद्योगिकियों का समर्थन किया और नागरिकों को उल्लंघन की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया। इसका उद्देश्य हाथ से मैला ढ़ोने वालों के प्रति शून्य-सहिष्णुता के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना और सुरक्षित, मशीनीकृत समाधानों को व्यवस्थित रूप से अपनाने को बढ़ावा देना था।

फेसबुक और एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट ने कानूनी सुरक्षा उपायों, सुरक्षित प्रौद्योगिकियों और नागरिक जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया। यह अभियान, SBM-G के कोई भी वंचित न रहे के मूल सिद्धांत के साथ जुड़ा हुआ है, और इसने एक मजबूत संदेश दिया है: स्वच्छता कार्य में गरिमा के साथ कोई समझौता नहीं करना है।

#ZeroManualScavenging के साथ बातचीत का पालन करें और फेसबुक और ट्विटर पर पोस्ट की पूरी श्रृंखला देखें।

*अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें***

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का जश्न

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (IWD) 2025 पूरे भारत में जल, स्वच्छता और साफ-सफाई (WASH) के क्षेत्र में महिलाओं को पहचानने और सशक्त बनाने पर प्रभावी तरीके से ध्यान देने के साथ मनाया गया। इस वर्ष की गतिविधियाँ प्रतीकात्मकता से परे थीं, उन्होंने ग्रामीण स्वच्छता में महिलाओं के नेतृत्व, भागीदारी और दीर्घकालिक प्रभाव के लिए मंच तैयार किए। समुदायों को संगठित करने से लेकर चेंजमेकर्स को पहचानने तक, समारोहों में मुख्य किरदार महिलाएं रहीं।

सबसे प्रभावशाली पहलों में से एक वॉश रन थी, जहां महिला स्वच्छता चैंपियनों के नेतृत्व में 1.1 लाख से अधिक प्रतिभागी साफ-सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सड़कों पर उतरे। महिला सभाओं, या केवल महिलाओं के लिए ग्राम सभाओं ने महिलाओं को स्वच्छता चुनौतियों पर चर्चा करने, विचारों और सर्वोत्तम परिपाटियों का आदान-प्रदान करने और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान किया। राज्यों में, ग्रामीण स्वच्छता में उत्कृष्ट योगदान के लिए 53,000 से अधिक महिला नेत्रियों को सम्मानित किया गया।

ग्राम जल और स्वच्छता समितियों (VWSC) ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि योजना और कार्यान्वयन सामुदायिक आवश्यकताओं में निहित थे। मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (MHM) प्रशिक्षण से लेकर फील्ड टेस्ट किट (FTK) जल परीक्षण सत्रों तक, महिलाओं और लड़कियों को उनके स्वास्थ्य की रक्षा करने और महत्वपूर्ण परिवर्तन करने के लिए उपकरण देने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

डिजिटलीकरण: इन कहानियों को गांवों से बाहर ले जाने के लिए, एक केंद्रित सोशल मीडिया अभियान 5-8 मार्च तक चला। हैशटैग #WomenLedWASH, #SheroesOfWASH और #IWD2025 ने 79 मिलियन से अधिक इंप्रेशन प्राप्त किए और वे 4 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं तक पहुंच गए।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

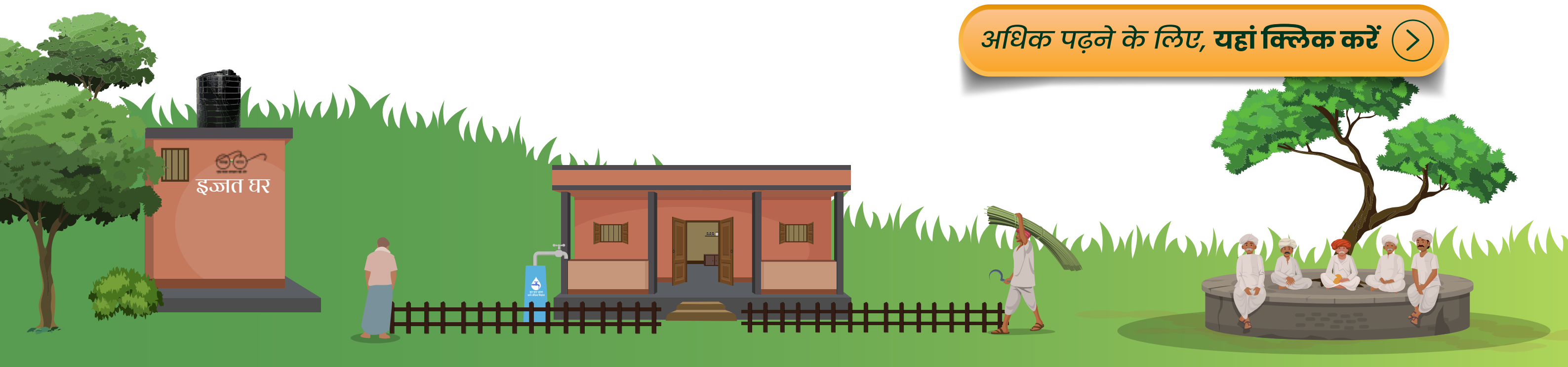

प्लास्टिक को प्लेटों में बदलना: हरियाणा की सुमन डांगी की परिवर्तन की कहानी

हरियाणा के करनाल जिले के भुशली गांव की सुमन डांगी ने अपनी कैंटीन में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए भूख से निपटने के लिए प्लास्टिक कचरे के बदले भोजन की पेशकश की। इस अप्रैल में, जब दुनिया पृथ्वी दिवस मना रही है, भुशली से उठने वाली कहानी जमीनी स्तर के नेतृत्व की सच्ची शक्ति को प्रदर्शित करती है।

सुमन, अटल किसान मजदूर कैंटीन में काम करती हैं, जिसका संचालन एकता महिला स्वयं सहायता समूह (SHG) करता है। वह समूह की 5-6 अन्य महिलाओं के लिए आजीविका का स्रोत बन गई हैं। उन्होंने एक पहल शुरू की जिसने प्लास्टिक कचरे की समस्या को एक समाधान में बदल दिया, जो स्वच्छता के साथ-साथ सामुदायिक कल्याण को भी बढ़ावा देता है।

कैंटीन में, अगर कोई 500 ग्राम रिसाइक्लेबल प्लास्टिक लाता है, तो उन्हें बदले में गर्म और पौष्टिक भोजन मिलता है। जो एक साधारण विनिमय की तरह लगता है, वह गहन विचार और महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। हालाँकि, इस पहल के पीछे की कहानी उतनी आसान नहीं थी जितनी लगती है। कुछ साल पहले, सुमन खुद आर्थिक रूप से संघर्ष कर रही थीं, आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था।

इस सोच से, एक विचार पैदा हुआ था, क्या इस पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन के लिए कुछ किया जा सकता है। उन्होंने अपने कैंटीन सहयोगियों और हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कर्मचारियों के साथ इस विचार को साझा किया। चर्चा और विचार-मंथन के बाद, उन्होंने पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक के बदले में भोजन प्रदान करने का निर्णय लिया।

अपने विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए, सुमन ने जन्नत महिला क्लस्टर लेवल फेडरेशन से 50,000 रुपये का ऋण लिया और यह मॉडल लॉन्च किया: 500 ग्राम स्वच्छ, छांटे गए पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक के बदले में पौष्टिक भोजन प्रदान करना।

अब तक, सुमन ने 1,500 किलोग्राम से अधिक पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक एकत्र किया है और इसके परिणामस्वरूप, 3,000 से अधिक गर्म, पौष्टिक भोजन परोसा है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं; ये परिवर्तन की कहानी बताते हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

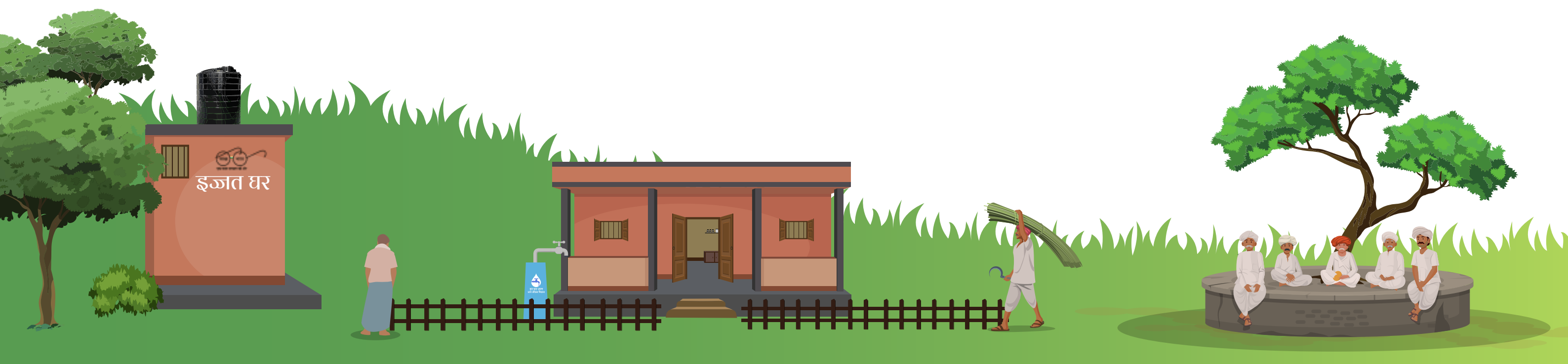

बिहार दिवस और विश्व जल दिवस 2025 के लिए राज्यव्यापी समारोह

बिहार दिवस 2025 (22 मार्च) पर, गांधी मैदान, पटना में पांच दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के एक समर्पित स्टॉल सहित विभिन्न विभागीय पहलों का प्रदर्शन किया गया था। SBMG स्टॉल ने ODF Plus मॉडल का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में राज्य में किए जा रहे प्रयासों, प्रमुख उपलब्धियों और अभिनव पहलों पर प्रकाश डाला।

इसमें SHG द्वारा संचालित 'टॉयलेट क्लीनिक' और 'कबाड मंडी' शामिल थे। इसके अतिरिक्त, उद्घाटन के दिन 22 मार्च को समुदायों के बीच स्वच्छता, गंदले जल और मलीय कीचड़ युक्त जल के प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न जिलों में इसी तरह की प्रदर्शिनियां आयोजित की गईं।

113वें बिहार दिवस पर, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने SBM-G स्टॉल का दौरा किया, जिसमें माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, श्री विजय कुमार सिन्हा, माननीय केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति थे। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग, बिहार के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, मिशन निदेशक श्री हिमांशु शर्मा, राज्य समन्वयक श्री राजेश कुमार, अन्य राज्य अधिकारियों और विकास भागीदारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

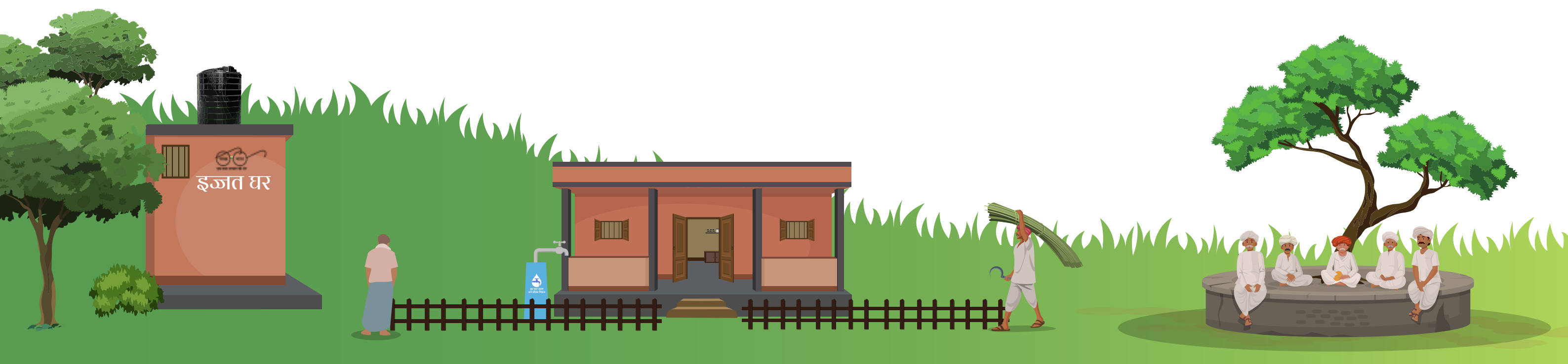

प्लास्टिक से प्रगति तक: उत्तर प्रदेश के जिले और ग्राम पंचायत कैसे बदलाव ला रहे हैं

ग्राम पंचायतों ने प्लास्टिक कचरे से निपटने और व्यवहारवादी परिवर्तन लाने के लिए सरल और समुदाय के नेतृत्व वाले मॉडल प्रस्तुत किए जिससे उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में "मेरा प्लास्टिक, मेरी जिम्मेदारी" अभियान स्वत: ही मूर्त रूप ले रहा है।

रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक के ऊंचडीह ग्राम पंचायत में, एक अभिनव मॉडल ध्यान आकर्षित कर रहा है: 2 किलो प्लास्टिक कचरा लाओ और बदले में सैनिटरी पैड का एक पैकेट प्राप्त करो। ग्राम प्रधान अर्चना त्रिपाठी के नेतृत्व में, इस पहल का उद्देश्य न केवल प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन करना है, बल्कि मासिक धर्म स्वच्छता और महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी है।

महिलाओं और किशोर लड़कियों को घर पर एक बोरी लटकाने और इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक को इकट्ठा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है जिसमें रैपर से लेकर पानी की बोतलों तक सब कुछ शामिल है। एक बार जब वे 2 किलो इकट्ठा कर लेती हैं, तो वे इसे पंचायत भवन या स्थानीय RRC (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) में ला सकती हैं और इनाम के रूप में सैनिटरी पैड प्राप्त कर सकती हैं।

यह पहल प्रदूषण को कम करने में भी मदद कर रही है जो भूजल को खतरे में डालती है, जानवरों को नुकसान पहुंचाती है, और ग्रामीण घरों में मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों को अधिक सुलभ बनाते हुए आसपास के वातावरण को अव्यवस्थित करती है। इस अभियान से गांव भर से आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी संपन्न हुई है।

उधर, घोरावल ब्लॉक की रघुनाथपुर ग्राम पंचायत में एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आ रहा है। ग्राम प्रधान परमेश्वर पाल ने उदाहरण पेश करने का बीड़ा उठाया है। हर सुबह, 7 से 8 के बीच, वह एक ई-रिक्शा में निकलते हैं, घर-घर जाकर प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करते हैं, और निवासियों को प्लास्टिक प्रदूषण के जोखिमों के बारे में शिक्षित करते हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

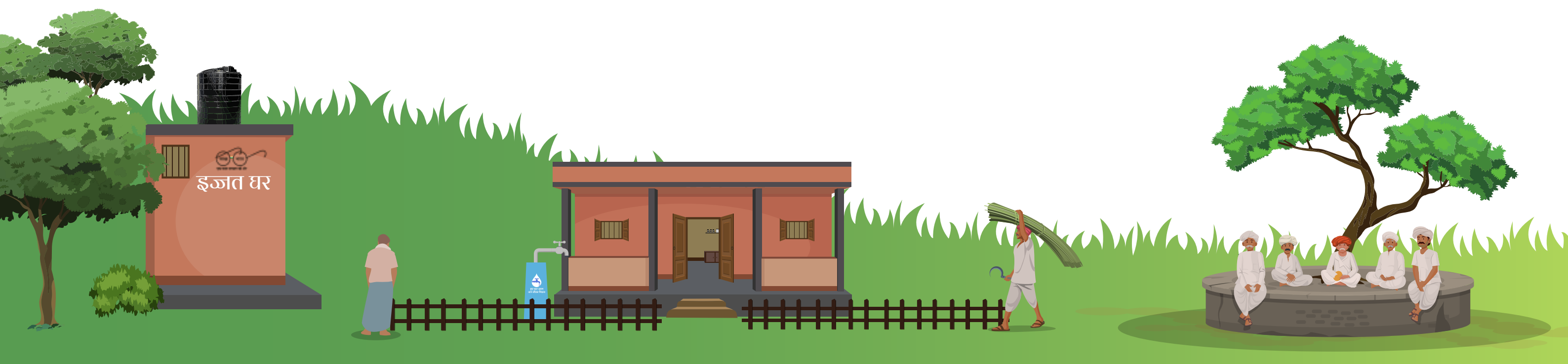

स्वच्छता सिफर चैलेंज

A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
8	7	26	9	23	20	18	16	12	14	24	1	19

N	O	P	Q	R	S	T	U	V	W	X	Y	Z
22	2	25	21	11	3	17	4	10	13	6	15	5

3	13	8	26	16	16		7	16	8	11	8	17			
12	3		17	16	23		13	2	11	1	9		3		
1	8	11	18	23	3	17		7	23	16	8	10	12	2	4
26	16	8	22	18	23		25	11	2	18	11	8	19	19	23

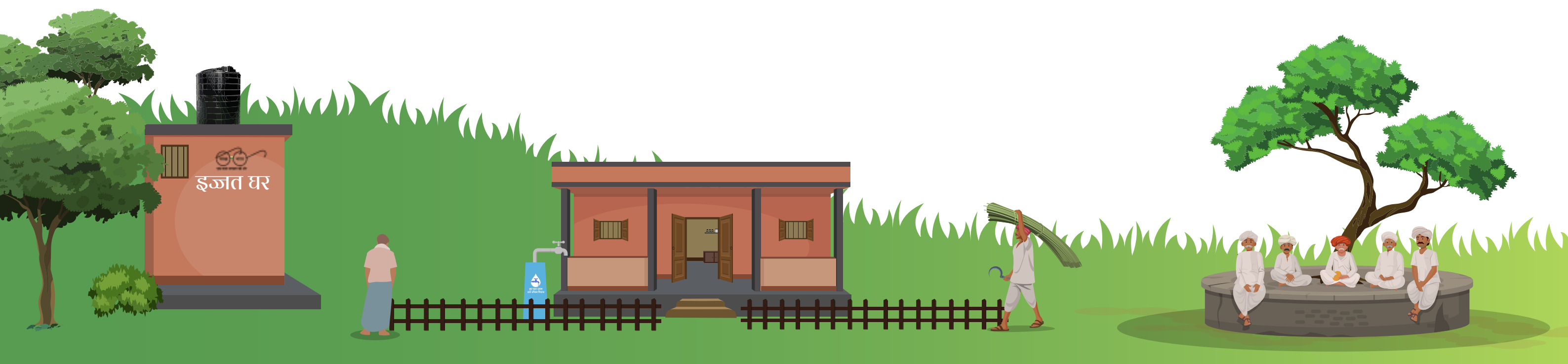

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

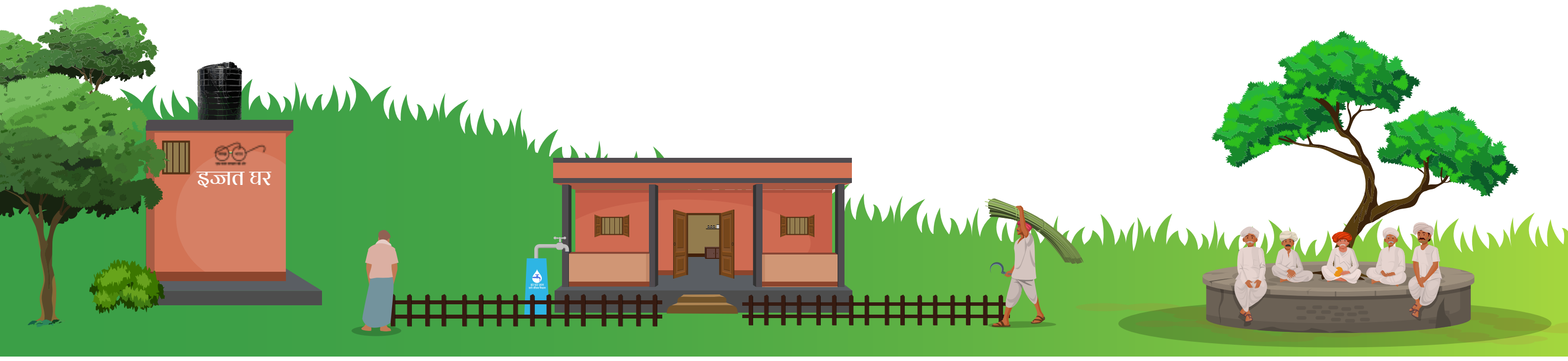

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले sbmiec.ddws@gmail.com पर अपनी प्रस्तुति साझा करें।

सत्यमेव जयते
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोनः 011–24362192 | ईमेलः arun.baroka@nic.in